उत्तरांचल सतत् विकास मंच

5/6, तेगबहादुररोड, डालनवाला, देहरादून।

तृतीय डा0 आर0एस0 टोलिया स्मृति व्याख्यान का आयोजन।

उत्तराचंलसतत् विकासमंच द्वारा गोविन्द बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण एवं सतत् विकास संस्थान, अल्मोड़ा; दून लाईब्रेरी, देहरादून तथा उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकीपरिषद (यूकॉस्ट) के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 25 मई, 2019 को होटलपैसिफिक, देहरादूनमेंतृतीय डा0 आर0 एस0 टोलिया स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मंसूरी डा0 संजीव चोपड़ा द्वारा "विकल्पोंसेपरे : डा0 आर0एस0 टोलिया की यादेंतथादूरदृष्टिता" विषय परमुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया। डा0 चोपड़ा ने अपने व्याख्यान में आर0एस0 टोलिया द्वारा उत्तराखण्ड के विकास के लिये किये गये कार्यों तथा उत्तराखण्ड के विकास की दूरगामी दृष्टि व सोच द्वारा प्राप्त उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

डा0 चोपड़ा द्वारा उनके साथ की गयी सेवा अवधि के अनेक प्रेरक प्रसंगों द्वारा प्रदेश के विकास हेतु की गयी बहुत सी वन व उद्योग, सूचना के अधिकार को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों पर प्रकाश डाला।उपस्थित श्रोताओं से अपने संवाद में डा0 चोपड़ा ने डा0 टोलिया द्वारा लिखित पुस्तकों में से 03 पुस्तकों का विस्तृत विश्लेषण करते हुये विचारों व कर्मों का संयोजन, पटवारी, घराट व चाय तथा शासन संचालन में पारदर्शिता को उनके दर्शन के अनुसार समझाया। डा0 चोपड़ा ने डा0 टोलिया को प्रदेश के निवासियों के उत्थान का चिंतक, भविष्यदृष्टा तथा सदैव उर्जावान व उत्साहित करने वाला व्यक्तित्व बताया।

व्याख्यानमाला के मुख्य मार्ग दर्शक तथा उत्तराचंल सतत् विकास मंच के अध्यक्ष डा0 राजेन्द्र डोभाल ने व्याख्यान के आयोज के उद्देश्य व महत्व के बारे में उपस्थित शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों तथा वरिष्ठ सामाजिक व बौद्धिक समुदाय को समझाया। डा0 डोभाल ने डा0 टोलिया के संस्मरणों सहित डा0 टोलियाजी के जीवन व कृतित्व के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी तथा इंटीग्रेटेड माउंटेन इनिशियेटिव के तत्वाधान में उत्तराखण्ड सहित सभी हिमालयी राज्यों के उपलब्ध संसाधनों से उनके बेहतर विकास की परिकल्पना भी प्रस्तुत की। ठस अवसर पर श्री कृष्णा रौतेला, कोषाध्यक्ष, उत्तरांचल सतत् विकास मंच द्वारा सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन किया गया तथा शुरूआत में इनके द्वारा डा0 आर0एस0 टोलिया के व्यक्तित्व व कृतित्व पर विस्तृत जानकारी दी गयी।

कार्यक्रम के समापन के अवसर पर उत्तराचंल सतत् विकास मंच के काउसिंलर तथा पूर्व मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन श्री एन0एस0 नपल्च्याल ने डा0 टोलिया को उत्तराखण्ड के इतिहास में महत्वपूर्ण शख्सियतों में अग्रणी बताया, जिन्होंने पारम्परिक ज्ञान व तकनीकी के गठजोड़ को उत्तराखण्ड के विकास के लिये जीवनपर्यंत कार्य किया। इस तृतीय व्याख्यान के अवसर पर पद्मश्री प्रो0 ए0एन0 पुरोहित व लीलाधर जगूड़ी सहित पूर्व मुख्य सचिव, एन0 रविशंकर, एस0एस0 पांगती, बी0एस0 बरफाल, सुधीर नौटियाल, डा0 एम0पी0एस0 बिष्ट, डा0 एस0एस0 फारूख, डा0 अजय सक्सेना, डा0 अनूप नौटियाल, डा0 बृजमोहन शर्मा, डा0 पीयूशजोशी, डा0 बी0पी0 पुरोहित, डा0 डी0पी0 उनियाल व डा0 प्रशांत सिंह सहितलगभग 100 विद्वतजन व गणमान्य व्यक्ति व अधिकारीगण उपस्थित थे।